

**अनुसंधान सलाहकार समिति की 53<sup>वीं</sup> बैठक की कार्यवाही  
(केरेउअवप्रसं, केरेबो, बहरमपुर, पश्चिम बंगाल में 23<sup>वीं</sup> अगस्त 2021)**

केंद्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान, बहरमपुर की अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की 53<sup>वीं</sup> बैठक दिनांक 23<sup>वीं</sup> अगस्त 2021 को दोहरी मोड (भौतिक / आभासी) में अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं / कार्यक्रमों में की गई प्रगति की समीक्षा करने के लिए आयोजित किया गया था जिसमें डॉ. चिरंतन चट्टोपाध्याय, प्रधान वैज्ञानिक और संयुक्त निदेशक अकाडेमिक (कार्यरत), आईसीएआर-भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची और पूर्व कुलपति, उत्तरबंग कृषि विश्वविद्यालय, कूचबिहार, पश्चिम बंगाल की अध्यक्षता में की गई।

प्रारंभ में, डॉ. दीपेश पंडित, वैज्ञानिक-डी द्वारा अनुसंधान सलाहकार समिति के अध्यक्ष, सभी माननीय सदस्यों (2021-23), वैज्ञानिकों एवं अन्य प्रतिभागियों को बैठक में स्वागत किया।

डॉ. चिरंतन चट्टोपाध्याय, अध्यक्ष-आरएसी ने अपने उद्घाटन भाषण में सभी प्रतिभागियों को एक संक्षिप्त सूचना के तहत एक साथ इकट्ठा होने के लिए बधाई और धन्यवाद दिया। अध्यक्ष ने पूर्व निदेशक डॉ. वी. शिवप्रसाद के तहत संस्थान की उपलब्धियों की सराहना की और नए निदेशक डॉ. किशोर कुमार सी. एम. के तहत इसे जारी रखने की आशा व्यक्त की हैं। अध्यक्ष ने नए होनहार अनुसंधान की आवश्यकता पर बल दिया जो भविष्य के समस्याओं को समाधान की ओर ले जाए और वर्तमान समस्याओं के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन और पेटेंट को हल करने की आवश्यकताओं को पूरा करें। उन्होंने प्रतिभागियों से एक उपयोगी बातचीत और सही प्रस्तुति के लिए अनुरोध किया हैं।

डॉ. किशोर कुमार, निदेशक, केरेउअवप्रसं, बहरमपुर एवं सदस्य-संयोजक, आरएसी ने ने विस्तार और सीबीटी, प्रकाशन, वैज्ञानिक उपलब्धियों तथा अन्य संस्थागत गतिविधियों सहित अनुसंधान पर प्रकाश डालें। बैठक में उपस्थित सदस्यों की सूची **अनुबंध-I** में संलग्न है। इसके बाद, कार्यसूची पर मदवार चर्चा प्रारंभ की गई।  
**मद संख्या 1. केरेउअवप्रसं, बहरमपुर में दिनांक 28<sup>वीं</sup> जनवरी, 2021 को अनुसंधान सलाहकार समिति की 52<sup>वीं</sup> बैठक की कार्यवृत्त की पुष्टि**

अतः समिति के किसी भी सदस्य से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई थी, 52<sup>वीं</sup> आरएसी के कार्यवृत्त बैठक की पुष्टि की गई थी।

**मद संख्या 2. 28<sup>वीं</sup> जनवरी 2021 को आयोजित आरएसी की 52<sup>वीं</sup> बैठक की सिफारिशों/ निर्णयों पर की गई अनुवर्ती कार्रवाई की समीक्षा**

समिति के निर्णय पर की गई अनुवर्ती कार्रवाई की समीक्षा की गई और प्रगति थी संतोषजनक पाया गया।

**मद संख्या 3. समाप्त परियोजनाओं की समीक्षा**

इस अवधि के दौरान समय सारिणी के अनुसार पांच परियोजनाओं का समापन किया गया। निम्नलिखित संबंधित मूल अन्वेषक / सहयोगी अन्वेषक द्वारा प्रस्तुतीकरण के बाद आरएसी द्वारा सुझाव दिए गए थे:

**1. पीआईबी 3627: पॉलीक्लोनल बीज बाग के माध्यम से बेहतर शहतूत (मोरस एसपीपी) जीनोटाइप का विकास**

आरएसी ने यह निर्धारित करने का सुझाव दिया की उत्पन्न पीसीएच पॉलीक्लोनल हैं और यह पता लगाने के लिए क्रॉस संदूषण की कमी हैं की नहीं। पॉलीक्लोनल बीज बाग को बनाए रखने की सलाह दी जाती है और

श्रेष्ठता और साथ ही जीनोटाइप की स्थिरता का विश्लेषण उपयुक्त का उपयोग करके किया जा सकता है भविष्य के अध्ययनों में पीसीए/जीजीई बाइप्लॉट विश्लेषण जैसे सांख्यिकीय विश्लेषण भी किया जाए ।

[कार्यवाही: डॉ. यल्लप्पा, वैज्ञानिक-वी, एमबीजी]

## 2. पीआरपी 02003 एसआई: पूर्वी और उत्तर पूर्वी भारत में शहतूत जड़ सड़न रोग के प्रबंधन पर अध्ययन

सदन ने जड़ सड़न के प्रबंधन के लिए आरओटीफिक्स के आवेदन की सिफारिश की; एक दूसरा खुराक 30 दिनों के बाद लागू किया जा सकता है, यदि प्रयोग में देखा गया है।

[कार्यवाही: डॉ. खुसरु आलम, वैज्ञानिक-वी, शहतूत रोगविज्ञान]

## 3. एआईबी 3602: मार्कर असिस्टेड सेलेक्शन के माध्यम से थर्मोटॉलरेंट द्विप्रज नस्लों / संकर रेशमकीट (बॉम्बेक्स मोरी) का विकास

आगे के विश्लेषण के दौरान विकसित डीएच की तुलना एफसी के साथ करने से बचने की सलाह दी गई। इसके परिवर्त, नव विकसित थर्मोटॉलरेंट डीएच के प्रदर्शन का मूल्यांकन डबल संकर के साथ करने का सुझाव दिया गया था जो एनएसएसओ से लाया गया । इसके अलावा तुलनात्मक प्रदर्शन डेटा को शामिल करने की सलाह दी जाती है FC1 x FC2 (नियंत्रण) के साथ विकसित डीएच (DH) को; एफसी के साथ विकसित डीएच की तुलना का औचित्य (डाम्बेल माता-पिता); अंतिम रिपोर्ट में रीलिंग मापदंडों पर डेटा को भी प्रदर्शित किया जाए । मुख्य अन्वेषक को सलाह दी गई एफसी और डीएच (DH) माता-पिता के प्रदर्शन में कम अंतर के औचित्य को स्पष्ट करें । चूंकि थर्मोटॉलरेंस एक पॉलीजेनिक विशेषता है, इसलिए मुख्य अन्वेषक को प्रतिधारण की व्याख्या करने की सलाह दी गई थी माता-पिता के रूप में BC6F2 में 100% विशेषता वंशानुक्रम; कुछ पंक्तियों के चयन के लिए आधार/पैरामीटर और मार्कर की उपस्थिति के बावजूद दूसरों को त्यागें। आरएसी ने अधिक जीन मार्करों का उपयोग करने की सलाह दी थर्मोटॉलरेंस के रूप में भविष्य के अध्ययन बहु-जीन नियंत्रित हैं।

[कार्यवाही: डॉ. एन. चंद्रकांत, वैज्ञानिक-सी, एसबीजी]

## 4. PRE02001SI: शहतूत की बाधा प्रणाली के साथ गुलाबी मीली बग मैकोनेलिकोकस हिंसुटस (हरा) का प्रबंधन

आरएसी ने विभिन्न मौसमों में मिली बग की घटनाओं पर डेटा शामिल करने की सलाह दी; ठानना और अंतिम रिपोर्ट में नीम केक + स्पिनोसैड 45 एससी का लागत-लाभ अनुपात शामिल करें। यह सुझाव दिया जाता है अन्य संयोजनों का परीक्षण करें जैसे कि मिट्टी के लिए नीम केक और पौधों के लिए नीम का तेल निर्धारित करने के लिए भविष्य के अध्ययन में प्रभावकारिता।

[कार्यवाही: डॉ. कुमारसन, वैज्ञानिक-डी, एसबीजी]

## 5. ARP3630: नए कमरे और रेशमकीट बिस्तर कीटाणुनाशक का मूल्यांकन

आरएसी ने पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित रेशमकीट कक्ष और बिस्तर कीटाणुनाशक विकसित करने की सराहना की (निर्मूल और सेरी-विन)। समिति ने संस्थान के एसआर को निर्मूल की आपूर्ति करने का सुझाव दिया और एनएसएसओ कीटाणुशोधन और प्रतिक्रिया दर्ज करने के लिए। लागत अंतर को शामिल करने की सलाह दी जाती है निष्कर्ष रिपोर्ट में ब्लीचिंग पाउडर और निर्मूल के बीच। आरएसी ने आगे सलाह दी विभिन्न क्षेत्रों में अधिक डीएफएल का उपयोग करके सेरी-विन की प्रभावकारिता के परीक्षण से संबंधित अध्ययन जारी रखें मौसम के।

[कार्यवाही: डॉ. के. राहुल, विज्ञान-सी और डॉ. एम. राभा, विज्ञान-बी, एसडब्ल्यूपी]

## मद संख्या 4: नए शोध परियोजना प्रस्ताव का अनुमोदन

1. शीर्षक/ Title: पत्ती उत्पादकता और के लिए नए पहचाने गए शहतूत जीनोटाइप का अंतिम उपज परीक्षण (FYT) गुणवत्ता/ Final Yield Trial (FYT) of newly identified mulberry genotypes for leaf productivity and quality.

अवधि: 4 साल

निर्णय: परियोजना प्रस्ताव मुख्य अन्वेषक को द्वारा प्रस्तुत किया गया था। अध्यक्ष ने प्रस्ताव की सराहना की और नए परियोजना प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

[कार्रवाई: डॉ. दीपिका और डॉ. येलप्पा एच, वैज्ञानिक-बी, होस्ट प्लांट]

## मद संख्या 5. चालू परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा

मुख्य संस्थान और अधीनस्थ इकाइयों में चल रही 08 अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति के साथ-साथ संबंधित मुख्य अन्वेषक / सहयोगी अन्वेषक द्वारा टीओटी/ विस्तार/प्रशिक्षण गतिविधियों को प्रस्तुत किया गया; आरएसी द्वारा समीक्षा की गई और दिए गए सुझाव इस प्रकार थे : -

### शहतूत सुधार अनुभाग

1. पीआईई 02002 एसआई: लाल और लेटराइट मिट्टी के तहत शहतूत जीनोटाइप सी-9 के प्रदर्शन का मूल्यांकन

आरएसी ने पाया कि परियोजना की प्रगति संतोषजनक और मील के पत्थर के अनुसार थी।

[कार्रवाई: डॉ. के. सुरेश, वैज्ञानिक-सी, एमबीजी]

2. पीआईबी 02007 एसआई: भारत के पूर्व और पूर्वोत्तर राज्यों में शहतूत के पत्तों की लंबी उम्र में सुधार

आरएसी ने कहा कि परियोजना की प्रगति संतोषजनक है। आरएसी ने मुख्य अन्वेषक को पत्ती क्लोरोफिल और प्रकाश संश्लेषण दर को मापने के लिए उपकरण उपयोग करने की सलाह दी। आरएसी ने खरीदारी की सिफारिश की सामान्यीकृत अंतर वनस्पति सूचकांक (एनडीवीआई) और इंफ्रारेड गैस विश्लेषक के लिए पोर्टेबल विश्लेषक (आईआरजीए) व्यवस्थित डेटा संग्रह के लिए।

[कार्रवाई: डॉ. दीपिका, वैज्ञानिक-बी, होस्ट प्लांट]

3. पीपीए 02005 एसआई: नए विकसित उच्च उपज के लिए रिक्ति और पोषक तत्वों की खुराक का अनुकूलन सिंचित परिस्थितियों में शहतूत किस्म (C2038)

आरएसी ने मुख्य अन्वेषक को क्षेत्र की प्रयोज्यता और 6 मीटर x 6 मीटर रिक्ति की उपयोगिता को देखने की सलाह दी। आरएसी ने पाया कि प्रगति संतोषजनक और मील के पत्थर के अनुसार है।

[कार्रवाई: डॉ. येलप्पा एच, वैज्ञानिक-बी, होस्ट प्लांट]

### रेशमकीट सुधार अनुभाग

4. एआईटी 02008 एसआई: ई और एनई के लिए उच्च आर्द्रता सहिष्णु रेशमकीट नस्लों/संकरों की पहचान भारत

आरएसी ने उपचार पर नर और मादा के जीवित रहने के बीच अंतर की जांच करने की सलाह दी:

तनाव की स्थिति में प्रजनन क्षमता प्रभावित होती है। समिति ने खोजने की सलाह दी आर्द्रता तनाव पर FC का अस्तित्व और आर्द्रता की तुलना में परिवर्तनशीलता की मात्रा निर्धारित करें सहिष्णु संकर। इष्टतम परिस्थितियों में पाले गए नियंत्रण बैचों के प्रदर्शन पर डेटा होना चाहिए तुलना के लिए शामिल हैं। आगे पीढ़ियों में अस्तित्व में स्थिरता का अध्ययन करने की सलाह दी जाती है उपचार के बाद। आर्द्रता सहनशीलता से संबंधित अधिक जीन के साथ अध्ययन जारी रखने का भी सुझाव दिया गया है।

[कार्रवाई: डॉ. रविराज, वैज्ञानिक-बी, एसबीजी]

**5. एआईबी 02006 एमआई: अस्तित्व और रेशम उत्पादकता के लिए निस्तारी लाइनों में सुधार (सीएसआरटीआई मैसूर के साथ)**

मुख्य अन्वेषक को डीओएस से विभिन्न निस्तारी लाइनों के प्रदर्शन डेटा एकत्र करने और तुलना करने की सलाह दी गई थी विकसित उन्नत निस्तारी लाइनों के साथ भी ऐसा ही है। के प्रदर्शन की तुलना करने की भी सलाह दी जाती है वर्षों से संस्थान की मूल निस्तारी लाइनों के साथ बेहतर लाइनें। मुख्य अन्वेषक को सलाह दी गई थी विभिन्न पात्रों में सुधार के आधार और चयन दबाव के स्तर की व्याख्या करने के लिए बेहतर लाइनें। समिति का मत था कि चयनित व्यक्तियों की जनसंख्या का आकार बहुत कम है। में इसके अलावा, चयन शेल वजन के आधार पर किया जाना है क्योंकि यह फिलामेंट लंबाई से संबंधित है। समिति ने महसूस किया कि प्राप्त प्रगति संतोषजनक है।

[कार्रवाई: डॉ. रंजीता देवी, वैज्ञानिक-बी, एसबीजी]

1

**6. AIB 02009 MI: रेशमकीट संकर, 12Y x BFC1 का पूर्वी और उत्तर पूर्व भारत में प्राधिकरण परीक्षण**

आरएसी ने आपूर्ति पर प्रयासों और विभिन्न राज्यों से प्राप्त परिणामों की सराहना की। हालांकि समिति ने किसानों द्वारा प्राप्त कोकून की कीमतों पर डेटा एकत्र करने और इसे आगे आनेवाले रिपोर्ट शामिल करने की सलाह दी।

[कार्रवाई: डॉ. एन. चंद्रकांत, वैज्ञानिक-सी, एसबीजी]

**7. एआईसी 02004 सीएन: आणविक लक्षण वर्णन और कम आणविक की प्रभावकारिता का आकलन रेशमकीट के फ्लैचरी रोग के खिलाफ शहतूत की पत्ती से पृथक वजन पेप्टाइड्स (UNB सिलीगुड़ी के साथ)**

आरएसी ने एसडीएस-पेज पर शार्प बैंड का पता लगाने की सलाह दी। आरएसी ने उल्लेख करने का सुझाव दिया मास स्पेक्ट्रोमेट्री द्वारा पहचाने गए पेप्टाइड्स का वर्गीकरण/भूमिका। इसके अलावा, यह सुझाव दिया गया था कि रोगाणुरोधी गतिविधि से जुड़े पेप्टाइड्स की बातचीत का पता लगाएं। आरएसी ने देखा कि परियोजना की प्रगति संतोषजनक और मील के पत्थर के अनुसार थी।

[कार्रवाई: डॉ. पूजा मकवाना, वैज्ञानिक-सी, बायोटेक]

**एसईईएम डिवीजन**

**8. रेशम उत्पादन की चाकी व्यवसाय के माध्यम से सेरी-उद्यमिता का विकास पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में प्रदर्शनकारी इकाइयों के रूप में चौकी पालन केंद्र (सीआरसी) [नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित परियोजना]**

मुख्य अन्वेषक ने नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित नई परियोजना प्रस्तुत की। आरएसी ने प्रस्ताव की सराहना की। तथापि, मुख्य अन्वेषक को सलाह दी गई थी कि वह चावकी कृमि पालन के लिए उपयुक्त पत्तियों की उपलब्धता सुनिश्चित करें; चौकी पालन प्रथाओं की सख्त निगरानी और आपूर्ति के लिए लागत के निर्धारण के बारे में सावधानी चौकी कीड़े की सलाह दी। परियोजना आरएसी द्वारा अनुमोदित है और पीआई को प्रस्तुत करने की सलाह दी गई थी कोडिंग के लिए सीओ को आरएसी सुझावों सहित परियोजना।

[कार्रवाई: डॉ शफी अफरोज, वैज्ञानिक-सी, एसईईएम]

अन्य संस्थानों से सहयोगात्मक परियोजनाएं

**1. पीआरपी 08002 एमआई:** के लिए उम्मीदवार जीन आधारित पाउडर फफूंदी प्रतिरोध की पहचान शहतूत में रोग प्रतिरोधक प्रजनन में उपयोग। [सं. SBRL-कोडठी के साथ परियोजना]

आरएसी ने पाया कि परियोजना की प्रगति संतोषजनक और मील के पत्थर के अनुसार थी।

[कार्रवाई: डॉ. के. सुरेश, वैज्ञानिक-सी, एमबीजी]

**2. PIE13001MI:** शहतूत की किस्मों के लिए अखिल भारतीय समन्वित प्रायोगिक परीक्षण- चरण IV

सदन को बताया गया कि विभिन्न केन्द्रों पर प्रचार-प्रसार के अध्ययन को इस प्रकार दोहराया जायेगा पहला परीक्षण कोविड -19 महामारी और अन्य संबंधित गड़बड़ी के कारण विफल रहा। पीआई था उसी के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी।

[कार्रवाई: डॉ. एन. चंद्रकांत, वैज्ञानिक-सी, एसबीजी]

**3. एआईई 06002एमआई:** अजैविक के प्रति सहिष्णुता के लिए बाइवोल्टाइन रेशमकीट आनुवंशिक संसाधनों का मूल्यांकन चयनित हॉटस्पॉट में तनाव (सीएसजीआरसी-होसुर से कॉल प्रोजेक्ट)

आरएसी ने पाया कि परियोजना की प्रगति संतोषजनक और मील के पत्थर के अनुसार थी। तथापि, सहयोगी अन्वेषक को सलाह दी गई थी कि वे नस्लों के निम्न प्रदर्शन को देखें और इसमें नियंत्रण नस्लों को भी शामिल करें भविष्य के परीक्षणों में SK6 और SK7 के साथ दक्षिणी क्षेत्र के CSR2 और CSR4।

[कार्रवाई: डॉ. एन. चंद्रकांत, वैज्ञानिक-सी, एसबीजी]

**4. एआईटी 08005 एमआई:** बाइंडेंसोवायरस प्रतिरोधी रेशमकीट संकरों का विकास और मूल्यांकन मार्कर असिस्टेड ब्रीडिंग लाइन्स- फेज II (एसबीआरएल-कोडठी से कोलकाता)

से विकसित Co-PI ने सदन को सूचित किया कि SK6 और SK7 की समयुग्मजी BmBDV प्रतिरोधी लाइनें थीं SBRL द्वारा प्रदान किया गया है और वर्तमान में बायोसे के अधीन हैं। आरएसी ने देखा कि की प्रगति परियोजना संतोषजनक थी और मील के पत्थर के अनुसार।

[कार्रवाई: डॉ. के. राहुल, वैज्ञानिक-सी, रेशमकीट संरक्षण]

**5. एआईबी 01009 एमआई:** किसानों के स्तर पर नए बीवी डबल हाइब्रिड, टीटी21 एक्स टीटी56 का मूल्यांकन वाणिज्यिक शोषण के लिए प्राधिकरण (सीएसआरटीआई-मैसूर से कोल प्रोजेक्ट)

CI को TT21 X TT56 के प्रदर्शन की तुलना उपयुक्त DH से करने की सलाह दी गई थी। आरएसी पाया गया कि परियोजना की प्रगति संतोषजनक और मील के पत्थर के अनुसार थी।

[कार्रवाई: डॉ. एन. चंद्रकांत, वैज्ञानिक-सी, एसबीजी]

**6. बीपीपी 05014 सीएन:** से एक उपभोग्य पेय के प्रसंस्करण और उत्पादन का मानकीकरण शहतूत के पत्ते और हरी चाय के साथ सम्मिश्रण। (सीएसबी-बेंगलुरु, एएयू और के साथ कोल प्रोजेक्ट टीटीटीआरआई-जोरहाट)

आरएसी ने सृजित डेटा और अब तक प्राप्त प्रगति को प्राप्त करने की सलाह दी।

[कार्रवाई: डॉ. कुमारसन, वैज्ञानिक-डी, आरएसआरएस]

## प्रौद्योगिकियों का परीक्षण

### स्टेशन पर परीक्षण

1. निर्मूल- रेशम उत्पादन के लिए एक सामान्य कीटाणुनाशक
2. नए पर्यावरण के अनुकूल बिस्तर कीटाणुनाशक (SERI-WIN) का सत्यापन
3. शहतूत के लिए कम लागत वाली ड्रिप फर्टिगेशन
4. उच्च उपज और कम तापमान तनाव सहिष्णु सी-01 और सी-11 . का मूल्यांकन
5. उच्च उपज देने वाली और जीवाणु पत्ती स्पॉट प्रतिरोधी शहतूत किस्म सी-7 . का मूल्यांकन
6. आरएसी ने कोडिंग के लिए ओएसटी कार्यक्रमों को प्रस्तुत करने की सिफारिश की
7. थर्मो-टॉलरेंट रेशमकीट संकरों का ऑन-स्टेशन (ओएसटी) परीक्षण
8. आरएसी ने मूल्यांकन और समान तुलना के लिए खुले अंडों का उपयोग करने की सलाह दी। इसके अलावा, सत्तारूढ़
9. तुलना के लिए संकर SK6.7 और FC1.2 का उपयोग किया जाना चाहिए।

### कृषि परीक्षणों पर

1. कोकून की गुणवत्ता में सुधार के लिए संपूर्ण का प्रदर्शन
2. चॉकी पालन को लोकप्रिय बनाना
3. कोलैप्सिबल प्लास्टिक माउंटेज और शूट फीडिंग बनाना लोकप्रिय को (पालन-शेल्फ) आरएसी ने कोडिंग के लिए ओएफटी परियोजनाओं को सीओ को प्रस्तुत करने की सलाह दी
4. बीएचपी डीएच का मूल्यांकन आरएसी ने नए दोहरे संकर का उपयोग करके किसानों के आर्थिक लाभों का मूल्यांकन करने की सलाह दी

### किसान प्रतिनिधि श्री. विकास चंद्र राँय

किसान प्रतिनिधि श्री बी.सी. राँय, आरएसी ने शोध पर प्रसन्नता व्यक्त की विशेष रूप से रेशमकीट की नस्लों पर संस्थान का योगदान और किसानों को अधिक उपज प्राप्त करने में उनकी सहभागिता व्यक्त की हैं । उन्होंने ब्लीचिंग पाउडर और क्लोरीन डाइ-ऑक्साइड आधारित के स्थान पर एक सामान्य कीटाणुनाशक निर्मूल के साथ पहले प्रतिस्थापन के लिए अनुरोध किया क्योंकि वे मानव के लिए खतरनाक और संक्षारक हैं। निदेशक ने उन्हें पर्यावरण के अनुकूल कमरे और बिस्तर कीटाणुनाशक के बारे में जानकारी दी और किसानों के लाभ के लिए निर्मूल और सेरीविन को पहले व्यावसायिक रूप से जारी करने का आश्वासन दिया। उनसे उनके उपयोग के लिए उसी के नमूने एकत्र करने और प्रतिक्रिया प्रदान करने का अनुरोध किया गया था

### आरएसी सदस्यों और अध्यक्ष की सामान्य टिप्पणियाँ:

1. विशेष रूप से समाप्त परियोजनाओं के लिए डेटा का सांख्यिकीय रूप से विश्लेषण किया जाना है
2. नई विकसित नस्लों और संकरों के कोकून रीलिंग मापदंडों पर जोर दिया जाना चाहिए
3. उत्पादन लागत और प्रति इकाई क्षेत्र उत्पादकता की गणना की जानी है
4. मूल्य श्रृंखला हस्तक्षेपों पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव
5. नस्ल विकास और आपूर्ति के लिए व्यवस्थित नस्ल प्रबंधन योजना लाई जानी चाहिए
6. फसल पुनर्निर्धारण डीओएस के परामर्श से किया जाना चाहिए
7. बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों को दर्शाने के लिए विभिन्न राज्यों के लिए तुलनात्मक विवरण दिया जाना
8. विकसित नस्लों/संकरों का मूल्यांकन अन्य संस्थानों के शासक/लोकप्रिय नस्लों/संकरों के साथ किया जाना चाहिए।

9. निम्न और मध्यम आय वर्ग के किसानों को विस्तार गतिविधियों में शामिल किया जाना है
10. कीटनाशकों के कुशल अनुप्रयोग के लिए संबंधित कीट/परजीवी का जीवन चक्र
11. चाय और शहतूत के संयोजन को अधिक महत्व देना चाहिए
12. नई परियोजनाओं के लिए अधिक अवधारणाएं प्रस्तुत की जानी चाहिए क्योंकि लक्ष्य में 10 और परियोजनाओं की शुरुआत शामिल है
13. ओएसटी/ओएफटी परियोजना को कोड प्राप्त करने के लिए सीओ को प्रस्तुत किया जाना है
14. बजट उपयोग में सुधार
15. 12Y x BFC1 हाइब्रिड ने अनुकूल मौसम में बेहतर प्रदर्शन किया। हालांकि, 12Y और साथ ही अन्य मल्टीवोल्टाइज दौड़ ने प्रतिकूल मौसमों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया किसानों के डेटा के दस्तावेज़ीकरण की सिफारिश की जाती है
16. अध्यक्ष ने उत्पादन, प्रकाशन और प्रौद्योगिकी पेटेंट में सुधार के लिए समान उद्देश्यों वाली सूक्ष्म परियोजनाओं को एक मेगा परियोजना में संयोजित करने का सुझाव दिया
17. आरएसी ने प्रौद्योगिकी/ उत्पाद विकसित करने में शामिल संबंधित वैज्ञानिकों के लिए रॉयल्टी/लाइसेंस शुल्क या करियर सुधार विकल्पों को साझा करने की रणनीति की जांच की। अध्यक्ष ने आरसीसी में इस पर चर्चा करने का विचार किया
18. समिति ने वैज्ञानिकों को उच्च गुणवत्ता वाली पत्रिकाओं में वैज्ञानिक पत्र प्रकाशित करने की सलाह दी

निदेशक ने संस्थान के अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों की गहन समीक्षा के लिए अध्यक्ष और अनुसंधान सलाहकार समिति के सभी माननीय सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विचार-विमर्श के दौरान उनकी आलोचनात्मक और रचनात्मक टिप्पणियों के लिए और आरएसी द्वारा प्रदान किए गए व्यावहारिक मार्गदर्शन / इनपुट के लिए धन्यवाद दिया और संस्थान के अनुसंधान और गतिविधियों में और सुधार के लिए सलाह का पालन करने का आश्वासन दिया।

डॉ. चिरंतन चट्टोपाध्याय, अध्यक्ष ने केरेउअवप्रसं-वहरमपुर के अनुसंधान एवं विकास प्रयासों में सुधार के लिए इनपुट और सुझावों के लिए आरएसी के सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया। उन्होंने अच्छी वैज्ञानिक प्रस्तुतियों, विकसित उत्पादों/प्रौद्योगिकी के संरक्षण और व्यावसायीकरण के प्रयासों के लिए वैज्ञानिकों की सराहना की।

धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

अनुमोदित

(चिरंतन चट्टोपाध्याय)  
अध्यक्ष, आरएसी  
केरेउअवप्रसं-वहरमपुर  
दिनांक: 30/08/2021

**अनुलग्नक-I/ANNEXURE - I**

**अनुसंधान समिति (आरएसी) के 53<sup>वाँ</sup> बैठक दिनांक 23.08.2021 में (भौतिक / आभासी) में शामिल हुई**

#	नाम /Name	पदनाम/ Designation
1.	डॉ .चिरंतन चट्टोपाध्याय, पुर्व-कुलपति, उत्तर बंग कृषि विश्वविद्यालय, कूचबिहार, पश्चिम बंगाल	अध्यक्ष
2.	डॉ. सोमनाथ भट्टाचार्य, प्रोफेसर, वी.सि.के.भी., मोहनपुर, नदिया	सदस्य
3.	प्रोफेसर आर .वरथाराजन, प्राणी विज्ञान विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय	सदस्य
4.	डॉ. एस. निर्मल कुमार, पुर्व-निदेशक, केरेउअवप्रसं, बहरमपुर	सदस्य
5.	निदेशक (तकनीकी), केंद्रीय रेशम बोर्ड, बंगालुरु	सदस्य
6.	डॉ. मंथिरा मूर्ति, वैज्ञानिक-डी, प्रभारी व आरसीएस, के. का., केरेवो, बंगालुरु	सदस्य
7.	डॉ. मंजूनाथ, जी. आर., वैज्ञानिक-सी, आरसीएस, के. का., केरेवो, बंगालुरु	सदस्य
8.	डॉ .एस. एन. वागची, वैज्ञानिक-डी, प्रतिनिधि निदेशक (एनएसएसओ), एसएसपीसी, बहरमपुर Representative,	सदस्य
9.	श्री निमाई मुरासिंग, उप-निदेशक(HHF), राज्य रेशम दफ्तर, त्रिपुरा	सदस्य
10.	श्री विकास चन्द्र राँय, रेशमकीट पालक के प्रतिनिधि	सदस्य
11.	डॉ .किशोर कुमार सी एम, निदेशक, केरेउअवप्रसं, बहरमपुर	सदस्यसंयोजक-

**अनुपस्थित होनेवाला/ Absentee:**

1.	आयुक्त, राज्य रेशम दफ्तर, पश्चिम बंगाल सरकार	सदस्य
2.	निदेशक, राज्य रेशम दफ्तर मणिपुर	
3.	प्रोफेसर देवव्रत बसु, कृषि विस्तार विभागणी, वी.सि.के.भी., मोहनपुर, नदिया	सदस्य
4.	मह: सलोद्दीन मोमिन, प्रतिनिधि रेशम सूता कटाई करनेवाला	सदस्य

**बैठक में भाग लेनेवाले वैज्ञानिकों /उम्मीदवारों की सूची**

#	नाम/Name	पदनाम/Designation	स्थान/ Address
1	डॉ.ज. श्रीनिवास	वैज्ञानिक-डी, एसईईएम प्रभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
2	डॉ.ए. आर. प्रदीप	वैज्ञानिक-डी, जैव-प्रौद्योगिकी प्रभाग / रेशमकीट रोग विज्ञान अनुभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
3	डॉ. दीपेश पंडित	वैज्ञानिक-डी, पीएमसीई प्रभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
4	डॉ. एस. सरकार	वैज्ञानिक-डी, प्रशिक्षण प्रभाग	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
5	डॉ. सतदल चक्रवर्ती	वैज्ञानिक-डी, फार्म प्रबंधन और आरटीआई	केरेउअवप्रसं, बहरमपुर
6	डॉ.पी. कुमारेशन	वैज्ञानिक-सी, क्षेरेउअके	जोरहाट, असम
7	डॉ.एन. चंद्रकांत	वैज्ञानिक-सी, रेशमकीट अनुभाग	केरेउअवप्रसं -बहरमपुर
8	डॉ. शफी अफरोज	वैज्ञानिक-सी, एसईईएम प्रभाग	केरेउअवप्रसं -बहरमपुर
9	डॉ .पूजा मकवाना	वैज्ञानिक-सी, जैव-प्रौद्योगिकी प्रभाग	केरेउअवप्रसं -बहरमपुर
10	डॉ .के .राहुल	वैज्ञानिक-सी, रेशमकीट रोग विज्ञान अनुभाग	केरेउअवप्रसं -बहरमपुर
11	डॉ .मिहिर रभा	वैज्ञानिक-बी, रेशमकीट रोग विज्ञान अनुभाग	केरेउअवप्रसं -बहरमपुर
12	डॉ.जे नायक परमेश्वर .	वैज्ञानिक-बी, प्रशिक्षण प्रभाग	केरेउअवप्रसं -बहरमपुर
13	डॉ.एस .वी रविराज .,	वैज्ञानिक-बी, जैव-प्रौद्योगिकी प्रभाग	केरेउअवप्रसं -बहरमपुर
14	डॉ.देवी रंजिता थंगजम .,	वैज्ञानिकबी-, एसबीजी अनुभाग	केरेउअवप्रसं -बहरमपुर
15	डॉ.उमेश कुमार दीपिका .	वैज्ञानिकबी-, एमबीजी अनुभाग	केरेउअवप्रसं -बहरमपुर
16	डॉ.हरिजन यालप्पा .,	वैज्ञानिकबी-, एमबीजी अनुभाग	केरेउअवप्रसं -बहरमपुर
17	श्री खुरू आलम,	वैज्ञानिक-बी, पोषक पौधा संरक्षण	केरेउअवप्रसं -बहरमपुर
18	श्री सुब्रत सरकार,	व. तक. सहा., पीएमसीई प्रभाग	केरेउअवप्रसं -बहरमपुर
19	श्रीमती एस. कर्मकार,	व. तक. सहा., पीएमसीई प्रभाग	केरेउअवप्रसं -बहरमपुर
20	श्रीमती एम. चट्टोपाध्याय,	व. तक. सहा., पीएमसीई प्रभाग	केरेउअवप्रसं -बहरमपुर
21	श्री शिनीवास	ल. अभियंता, रखरखाव अनुभाग	केरेउअवप्रसं -बहरमपुर
22	सुश्री. सुरभि घोष,	जेआरएफ, जैव-प्रौद्योगिकी प्रभाग	केरेउअवप्रसं -बहरमपुर